(i) Printed Pages : 3 Roll No. .....

(ii) Questions : 3 Sub. Code : 0 6 0 5

Exam. Code : 0 0 5

B.A./B.Sc. (Hons.) 3rd Semester

1125

HINDI

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :– अनर्गल विस्तार से बचें। सारगर्भित उत्तर दें।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की संप्रसंग व्याख्या करते हुए काव्य सौन्दर्य भी स्पष्ट करें :

(क) बसन बटोरि बोरि बोरि तेल तमीचर,
खोरि खारि धाइ आइ बाँधत लँगूर है।
तैसो कपि कौतुकि डरात ढीलो गात कै-कै,
लात के अघात सहै जी में कहै 'क्रूर' है।
बाल किलकारी कै-कै, तारी दै-दै गारि देत,
पाछे लागे बाजत निसान ढोल तूर है।
बालधी बढ़न लागी, ठौर ठौर दीन्हीं आगि,
बिंध की दवारि, कैधों कोटिसत सूरहै।।

अथवा

गगन निहारि, किलकारी भारी सुनि,
हनुमान पहिचानी भये सानंद सचेत हैं।
बूड़त जहाज बच्यो पथिक समाजमानो,
आजु जाए जानि सब अंकमाल देत हैं।
"जै जै जानकीस जै जै लखन कपीस" कहि,
कूदै कपि कौतुकी, नचत रेत रेत है।
अंगद मयंद नल नील बलसील महा,
बालधो फिरावैं मुख नानागति लेत है।। 12

(ख) थे कर्मवीर कि मृत्यु का भी ध्यान कुछ धरते न थे,
थे युद्धवीर कि काल से भी हम कभी डरते न थे।
थे दानवीर कि देश का भी लोभ हम करते न थे,
थे धर्मवीर कि प्राण के भी मोह पर मरते न थे।।
वे सूर्यवंशी चन्द्रवंशी वीर थे कैसे बली,
जो थे अकेले ही मचाते शत्रुदल में खलबली।
होते न वे यदि चक्रवर्ती भूप दिग्विजयी यहाँ-
होते भला फिर 'अश्वमेध' कि राजसूय कहो वहाँ ?

अथवा

अब भी सुधारेंगे न हम दुर्दैव-वश अपनी दशा,
तो नाम शेष हमें करेगा काल ले कर्कश कशा।
बस टिमटिमाता दीख पड़ता आज जीवन-दीप है,
हा दैव ! क्या रक्षा न होगी, सर्वनाश समीप है ?
निज पूर्वजों का यह अलौकिक सत्य, शील-निहार लो,

फिर ध्यान से अपनी दशा भी एक बार विचार लो।
जो आज अपने आपको यों भूल हम जाते नहीं,
तो यूं कभी सन्ताप-मूलकशूल हम पाते नहीं। 12

2. **तीन** समीक्षात्मक प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक काव्य कृति में से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है :

(i) 'कवितावली' में रचित सुन्दरकांड के महत्त्व को स्पष्ट करें।

अथवा

सुन्दरकांड की विषयवस्तु पर प्रकाश डालें।

(ii) 'भारत-भारती' रचना का मूल उद्देश्य क्या है ? रचना के आधार पर सोदाहरण विचार करें।

अथवा

काव्य सौन्दर्य की दृष्टि से 'भारत-भारती' का मूल्यांकन करें।

(iii) 'सुन्दरकांड' के आधार पर हनुमान जी के चरित्र पर प्रकाश डालें।

अथवा

"भारत-भारती' के वर्तमान खण्ड में कवि मैथिलीशरण गुप्त जी द्वारा वर्णित विचारों का संक्षिप्त स्वरूप प्रस्तुत करें।

18+18+18=54

3. राष्ट्रीय भाषा हिन्दी के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसके महत्त्व को स्पष्ट करें। 12